No. of Printed Pages : 4

एम.एच.डी.-12

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

02301

दिसम्बर, 2018

एम.एच.डी.-12 : भारतीय कहानी

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) रास्ते भर उसी के बारे में सोच रहा था । पुलिस वालों ने अपने रिकॉर्ड में आत्महत्या दर्ज कर ली । पर वास्तव में मैंने ही उसे मार डाला, ऐसा लग रहा था कि मैं चाहे जो करूँ, यह विचार मेरा पीछा नहीं छोड़ेगा । मैंने जो कुछ उससे कहा था उससे उसे लगा होगा कि ज़िंदा रहने से मरना ही भला है । मैंने जब उसे कमरे से भेजा तभी उसके हृदय को मृत्यु की भावना ने घेर लिया होगा । यह-विचार आने पर ऐसा लगा कि किसी ने मेरा दिल चीरकर उस पर गर्म-गर्म शीशा उँड़ेल दिया हो । यदि मैं उस समय उसे कमरे से न भेजता तो शायद वह

मरने का निश्चय न करती, शायद बच जाती । मैंने कहा, "हाय भगवान ! यह तो ऐसा ही हुआ जैसे मैंने उसे अपने हाथों से ही मार डाला हो । एक-न-एक दिन भगवान के सामने मुझे इसका जवाब अवश्य देना होगा । तब क्या कहूँगा ?"

(ख) "हमारे गाँवों में बगीचे ऐसे नहीं होते । बगीचा कहीं और मकान कहीं होता है । इतना बड़ा बगीचा किसी के पास हो तो एक पूरा का पूरा घर मज़े से गुज़ारा कर सकता है । लकड़ी, डंठल, घास-पत्ते और मौसम में फल-फूल, हर चीज़ का दाम मिलता है । लेकिन बगीचा सँभालने में वहाँ बहुत ख़र्चा होता है । दो आदमी सबेरे से शाम तक बदन न तोड़ें तो इतने बड़े बगीचे का काम नहीं कर सकते ।" तविटम्मा ने कहा ।

(ग) लेकिन पता नहीं, कैसे क्या हुआ था कि लेडेंग घाटी के भीतर जीवित आदमियों की स्मृति में बाघ का उत्पात दर्ज नहीं था, गोकि लेडेंग पार करने पर जंगल के भीतर के दूसरे गाँव में ऐसी स्मृतियाँ थीं । कैसे बचा रहा लेडेंग ? इतनी जगहों पर अशांति, आतंक और विभीषिका, फिर लेडेंग को निजात कैसे मिली थी इन सबसे ? धनू पंडित से पूछो तो वे चकित कर देने वाली मंद मुस्कान भरते हुए कहेंगे, "लेडेंग पुण्य भूमि है, लेडेंग की माटी पवित्र है ।"

(घ) राजा की यह फूहड़ बात सुनकर कबीर को बेसाख़्ता हँसी आ गई । हँसी थमने पर कहने लगा, "ऐसी भेंट का तो सपना ही बुरा । मैं तो शादी-ब्याह के लफड़े में ही नहीं पड़ना चाहता । और इस लफड़े के साथ राज्य का दहेज ! क्या मुझे आप इतना अबूझ समझते हैं कि आपके वमन को मैं प्रसाद की तरह ग्रहण करूँगा ? अगर सत्ता का सुख ही सबसे बड़ा सुख है तो आप उसे छोड़ते ही क्यूँ ? आप खीज करें तो आपकी मरज़ी, इस भेंट के लिए भी मैं माफ़ी चाहता हूँ ।"

2. तमिल कहानी की परम्परा में जयकान्तन का स्थान निर्धारित करते हुए 'ट्रेडिल' कहानी का मर्म स्पष्ट कीजिए । *10*

3. 'प्राणधारा' कहानी के कथानक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । *10*

4. 'एक अविस्मरणीय यात्रा' कहानी के आधार पर आतंकवाद के दुष्प्रभावों की चर्चा कीजिए । *10*

5. मीना काकोडकर का परिचय देते हुए 'ओऽरे चुएंगन मेरे' कहानी का विश्लेषण कीजिए । *10*

6. 'पाँच-पत्र' कहानी का जीवन-दर्शन उद्‌घाटित कीजिए । *10*

7. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) दीनानाथ नादिम

(ख) अमृता प्रीतम

(ग) रघुवीर चौधरी

(घ) एम.टी. वासुदेवन नायर